शैक्षणिक भ्रमण 2018

शैक्षिक भ्रमण का शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है। शैक्षिक भ्रमण से हम प्रकृति की सुन्दरता से रू–बू–रू होते हैं। मानव की सुन्दर कलाकृतियों से परिचित होते हैं, साथ ही साथ कुदरत की कुछ रहस्यों से भी परिचित होते हैं जिसमें हमारे ज्ञान में वृद्धि होती है। शैक्षिक भ्रमण में हम परोक्ष नहीं बल्कि प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं, जिससे ज्ञान स्थायी होते हैं, साथ ही रासानुभूति की प्राप्ति होती है और नयन सुख की प्राप्ति होती है। यह मनोरंजन के माध्यम से सीखना शिक्षा का सबसे अच्छा माध्यम है।

हमारे महाविद्यालय से भी हम सभी द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राएँ लगभग एक सप्ताह के लिए दिनांक 11– 18 नवम्बर 2018 को शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिल्ली, आगरा और जयपुर का दर्शन के लिए गए, जहाँ हमें दिल्ली में लोटस टेंपल, कुतुबमीनार, इंदिरा गांधी स्मृति स्थल, लाल किला, राजघाट। आगरा में ताजमहल और आगरा का किला। फतेहपुर सिकरी में बुलन्द दरवाजा, जयपुर में–सिटी पैलेस, जंतर–मंतर, राजचित्रा मंदिर सिनेमा हॉल, अमेर किला कनक गार्डन, जल महल और बिड़ला मंदिर।

लोट्स टेंपल

लोट्स टेंपल की बनावट लोटस की आकृति में बनी हुई है। यह दिल्ली के नेहरू प्लेस के पास स्थित एक बहाई उपासना स्थल है। यह अपने आप में एक अनुठा मंदिर है यहाँ पर न कोई धार्मिक कर्म कांड किया जाता है। इसके विपरित यहाँ पर विभिन्न धर्मों से संबंधित विभिन्न पवित्र लेख पढ़े जाते हैं।

कुतुबमीनार

कुतुबमीनार भारत में दक्षिण दिल्ली शहर के महरौली भाग में स्थित है। यह ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। इसकी ऊँचाई 72.5 मीटर और व्यास 14.3 मीटर है जो ऊपर जाकर शिखर पर 2.75 मीटर है। इसमें 371 सीढ़ियाँ हैं।

लाल किला

लाल किला दिल्ली के एतिहासिक किले बंद पुरानी दिल्ली में स्थित लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है। इस किले को मुगल बादशाह शाहजहाँ ने बनवाया था। इसे लाल किला इसकी दिवारों के लाल रंग के कारण कहा जाता है। लाल किले की योजना अवस्था एवं सौंदर्य मुगल काल में अपने चरन उत्कर्ष पर पहुँची और यह मुगल सृजनात्मकता का शिरो बिन्दु है।

राजघाट

दिल्ली में यमुना नदी के पश्चिमी छोर के किनारे महात्मा गांधी की समाधि स्थित है। काले संगमरमर से बनी इस समाधि पर अंतिम शब्द 'हे राम' उद्धृत है। अब यह एक सुन्दर उद्यान का रूप ले चुका है।

ताजमहल

ताजमहल मुगल वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। इसकी वास्तु शैली फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला के घटकों का अनोखा सम्मिलन है। इसे पॉचवें मुगल

शासक शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज की यादगारी में बनवाया था। यह नमूना नदी के तट पर स्थित है जिसका रूप सौंदर्य देखते ही बनती है।

आगरा का किला

आगरा किला भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा शहर में स्थित है। इसके लगभग 2.5 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में ही विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल मौजूद है। इस किले को कुछ इतिहास कार चार दीवारी से घिरी प्रसाद महल नगरी कहना बेहतर मानते हैं। इसको बनाने का शुभारंभ अकबर ने की थी परंतु अन्ततः अंतिम रूप शाहजहाँ ने दी है।

इंदिरा गांधी संग्रहालय

इंदिरा गांधी संग्रहालय में हम सभी इंदिरा गांधी के बारे में जानने की कोशिश की। यहाँ पर उनकी जीवन शैली के बारे में बताया गया है। जब वह प्रधानमंत्री थी तो वह उनका कार्यालय था। इस प्रकार से उनके द्वारा प्रयोग में लाए गए कपड़े, पुस्तक, बेड, कुर्सी और बहुत से समानों को सजाकर रखा गया है।

बुलंद दरवाजा

बुलंद दरवाजा यह फतेहपुर सीकरी में स्थित है। यह भारत का सबसे ऊँचा दरवाजा है। इस किले को अकबर ने बनवाया था। वह वहाँ औलाद के खातिर गया था क्योंकि उनकी कोई संतान नहीं थी। वहाँ पर चिश्ता दरगाह है जिससे गुरू की आशीर्वाद से संतान हुए। इसी की खुशी में अकबर ने यह किला बनवाया।

सिटी पैलेस

राजस्थानी व मुगल शैलियों की मिश्रित रचना एक पूर्व शाही निवास जो पुराने शहर के बीचो–बीच है। भूरे संगमरमर के स्तंभों पर टिके नक्कासीदार मेहराब, सोने व रंगीन पत्थरों की फूलों वाली आकृतियों से अलंकृत है। पैलेस में एक संग्राहलय है जिसमें राजस्थानी पोशकों व मुगलों तथा राजपूतों के हथियार का अच्छा संग्रह है। इसमें विभिन्न रंगों व आकारों वाली तराशी हुई मूंठ की तलवारें भी है जिनमें से कई मीनाकारी के जड़ऊ काम व जवाहरातों से अलंकृत हैं।

जंतर–मंतर जयपुर

एक पत्थर की वेधशाला, यह जयसिंह की पाँच वेधशालाओं में से सबसे विशाल है। इसके जटिल यंत्र इसका विन्यास व आकार वैज्ञानिक ढंग से तैयार किया गया है। इस वेधशाला में 24 प्रमुख यंत्र है जो समय मापने, ग्रहण की भविष्यवाणी करने, किसी तारे की गति एवं स्थिति जानने आदि में सहायक है। अतः यह बहुत आकर्षक है।

अमेर किला

अमेर किला भारत के राजस्थान राज्य की राजधानी जयपुर के आमेर क्षेत्र में एक पहाड़ी पर स्थित है। आमेर का किला मूलरूप से स्थानीय मीणाओं द्वारा बसाया गया है। राजपुत मानसिंह प्रथम ने इसे बनवाया है। आमेर का नामकरण अम्बा माता से हुआ था जिन्हें मीनाओं की देवी भी कहा जाता था। इस किले की आंतरिक सुंदरता में महल में बना शीश महल सबसे बड़ा आकर्षण है। यह शीशे के द्वारा सजाया गया है जहाँ प्रकाश करने से तारे की तरह नजर आते हैं। यह काफी आकर्षक है।

कनक गार्डन

कनक गार्डन में हमने खूबसूरत फुब्बारा देखा जो सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है। यह बाग काफी पुराने और राजा–रानियों के समय की है। वहाँ हमने वहाँ की पहरावे को देखा और आनन्द लिया।

जलमहल

जल महल राजस्थान की राजधानी जयपुर के मानसागर झील के मध्य में स्थित प्रसिद्ध एतिहासिक महल है। अरावली पहाड़ियों के गरम में स्थित यह महल झील के बीचों–बीच होने के कारण आई बॉल भी कहते हैं। इसे रोमांटिक महल के नाम से जाना जाता है।

बिड़ला मंदिर

इस मंदिर में कुल तीन भाग है जो धर्म के तीन रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंदिर के सबसे महत्वपूर्ण भागों में लक्ष्मी नारायण की आकर्षक मूर्ति शामिल है जो अखंड पत्थर से बनी हुई है। मंदिर की दूसरी मूर्तियों में भगवान गणेश की मूर्ति शामिल है। मंदिर का इंटीरियर पौराणिक चित्रों और बहुत से हिन्दू देवताओं के चित्रों से सजाया गया है। बिरला मंदिर में एक विशाल मार्बल है, जहाँ सभी एतिहासिक–पौराणिक घटनाओं का उल्लेख किया गया है।

राज चित्रा मंदिर

मशहूर राज चित्रा मंदिर अपनी पुरातन वास्तुकला के चलते इसे प्राइड ऑफ एशिया की उपाधि से सम्मानित किया गया। यदि हमलोग गुलाबी शहर का दर्शन करते हैं तो हमें इस सिनेमा के अंदर घुसने की जिज्ञासा अवश्य होती है क्योंकि इसके अंदर की कलाकृति अत्याधिक मनमोहक तथा इसकी बनावट बहुत ही खूबसूरत है।

Principal
Primary Teachers Education College
Gurwa, Sitagarha (PO)
Hazaribag
Jharkhand-825303